Downloaded from www.studiestoday.com

VI - हिन्दी पाठ - 2 बचपन

संस्मरण से -

1. लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या-क्या काम करती थी?

उ0= लेखिका बचपन में इतवार की सुबह अपने मोजे धोती थी और जूतों पर पॉलिश करके चमकाती थी।

2. 'तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है।' इस बात के लिए लेखिका क्या-क्या उदाहरण देती है?

उ0= लेखिका कहती है कि -

(1) तब कुछ घरों में ग्रामोफोन थे, रेडियो और टेलीविजन न थे, जबकि आज ये सब हर घर में हैं।

(2) आज कुल्फी आइसक्रीम में और कचौड़ी समोसा, पैटीज में बदल गए हैं।

(3) शरबत कोक-पेप्सी में बदल गया है।

3. पाठ से पता करके लिखो कि लेखिका को चश्मा क्यों लगाना पड़ा? चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें क्या कहकर चिढ़ाते थे?

उ0= लेखिका को चश्मा नजर कमजोर होने की वजह से लगाना पड़ा। लेखिका के चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई उन्हें इसलिए छेड़ते थे क्योंकि जब कोई व्यक्ति पहली बार चश्मा लगाता है, तो सभी को कुछ अटपटा सा लगता है। लेखिका का चचेरा भाई उनकी सूरत को लंगूर की सूरत कहकर चिढ़ाता था।

4. लेखिका अपने बचपन में कौन-कौन सी चीजें मजा ले-लेकर खाती थीं? उनमें से प्रमुख फलों के नाम लिखो।

उ0= लेखिका बचपन में कुल्फी, समोसा, गरम चने, अनारदाने का चूर्ण, चॉकलेट, पेस्ट्री तथा फल मजे ले-लेकर खाती थीं। कुछ प्रमुख फल 'काफल' और 'चेस्टनट' हैं। वह शहतूत, फालसे तथा खसखस का शरबत पीती थीं।

Downloaded from www.studiestoday.com